नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार : समयबद्धता भी जरूरी

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर दिल्ली में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को राज्य के बुनियादी ढांचे की दिशा और दृष्टि से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कड़ी कहा जा सकता है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अनेक केंद्रीय और राज्य स्तरीय नेताओं की उपस्थिति ने स्पष्ट संकेत दिया कि राजमार्ग विकास केवल निर्माण का कार्य नहीं, बल्कि व्यापक आर्थिक, सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी एक दूरदर्शी प्रक्रिया है.दरअसल, सुरक्षित, सुगम और आधुनिक सड़क अधोसंरचनात्मक विकास को नई गति प्रदान करती है, क्योंकि सड़कें ही उद्योग, निवेश, पर्यटन और रोज़गार सृजन की वास्तविक वाहक बनती हैं.

वर्तमान में प्रदेश में 61 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वयन के चरण में हैं और 9,300 किलोमीटर से अधिक के सड़क नेटवर्क के साथ मध्य प्रदेश कनेक्टिविटी के एक सशक्त मॉडल के रूप में उभरने की संभावना रखता है. यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि योजनाएं घोषणा के समय तो उत्साहजनक प्रतीत होती हैं, परंतु ज़मीनी स्तर पर अड़चनों के चलते वर्षों तक अधूरी पड़ी रह जाती हैं. इस विलंब के कारण न केवल लागत में अनावश्यक वृद्धि होती है, बल्कि जनता के बीच शासन की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं. इसलिए लंबित परियोजनाओं के लिए समन्वित निगरानी और समयबद्ध कार्ययोजना अब अनिवार्य हो चुकी है.जाहिर है राजमार्ग विस्तार की यह महत्वाकांक्षी पहल तभी सार्थक सिद्ध होगी, जब विकास की रफ्तार के साथ निर्माण गुणवत्ता को भी समान प्राथमिकता दी जाएगी. दरअसल,सड़कों का कुछ ही वर्षों में टूट जाना, वर्षा के दौरान धंसाव या व्यापक मरम्मत की आवश्यकता पड़ना केवल तकनीकी खामी नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग का संकेत भी है. यदि अधोसंरचनात्मक विस्तार केवल आंकड़ों में वृद्धि तक सीमित रह गया और गुणवत्ता मानकों का कठोर अनुपालन नहीं हुआ, तो यह विकास भार में बदल सकता है. साफ है कि निर्माण एजेंसियों की सख्त निगरानी, थर्ड-पार्टी गुणवत्ता ऑडिट और दोषपूर्ण निर्माण पर दंडात्मक कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं मजबूत और प्रभावी रूप में लागू करना होगी. इसी के साथ समय-सीमा का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण प्रश्न है. अनेक परियोजनाएं वर्षों तक 'निर्माणाधीन' के बोर्ड के साथ टंगी रह जाती हैं और इस बीच उनकी अनुमानित लागत कई गुना बढ़ जाती है. अतः यह आवश्यक है कि प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट टाइमलाइन तय की जाए, प्रगति की नियमित सार्वजनिक रिपोर्टिंग की जाए और देरी के लिए जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए. समयबद्धता केवल प्रशासनिक दक्षता नहीं, बल्कि आर्थिक अनुशासन की भी कसौटी है.

राष्ट्रीय राजमार्ग किसी राज्य के लिए केवल डामर और कंक्रीट की पट्टियां नहीं होते, वे उसकी आर्थिक धमनियां होते हैं. वे गांवों को शहरों से, बाज़ार को उत्पादन से और नागरिकों को नए अवसरों से जोड़ते हैं. इस दृष्टि से मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार निस्संदेह स्वागत योग्य और दूरगामी प्रभाव वाला कदम है,बशर्ते गति के साथ गुणवत्ता, विस्तार के साथ जवाबदेही और निवेश के साथ जन विश्वास भी जुड़ा हो. यदि मध्य प्रदेश इस संतुलन को साधने में सफल होता है, तो राष्ट्रीय राजमार्ग केवल परिवहन मार्ग नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगे.

तेल भंडार पर है नजर

संसाधनों पर कब्जा जमाने का कुचक्र

राजीव श्रीवास्तव

> अमेरिका की नीति बार-बार यह साबित करती है कि उसके सैन्य हस्तक्षेप का असली मकसद संसाधनों पर कब्ज़ा और वैश्विक प्रभुत्व है. वियतनाम की डोमिनो थ्योरी, इराक के डब्लूडब्लूएमडीएस (जनसंहारक हथियार) और वेनेज़ुएला के तेल भंडार—हर बार अमेरिका ने वैचारिक या सुरक्षा का बहाना बनाया. रूस और चीन जैसे देश विरोध तो करते हैं, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया मुख्यत: कूटनीतिक और बयानबाज़ी तक सीमित रहती है. अंतत: परिणाम वही होता है- जनता का विरोध, भारी खर्च और असफलता.

बीते रोज वेनेज़ुएला जैसे छोटे देश पर अमेरिका द्वारा व्यापक हमला बोलकर उस पर कब्जा कर लिया. वहाँ के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेंस को नारकोटेररिज्म फैलाने व चुनावों में धाँधली करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया. अमेरिका की इस कार्रवाई के पीछे वेनेजुएला के रूस व चीन से बढ़ती नजदीकियाँ और 300 अरब बैरल के भंडार पर एकाधिकार का कूटनीतिक षड्यंत्र मुख्य कारण माना जा रहा है. यहाँ अन्य देशों पर अमरीकी हमलों पर सरसरी निगाह डाले तो स्पष्ट होता है कि किसी भी देश पर कब्जे के बाद आरोप सिद्ध नहीं हो सके, भारी जन-धन हानि बाद उसे वापस लौटना पड़ा.

हालाँकि वेनेजुएला पर हमले को लेकर उसे अपने ही देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है. ताज़ा हमले में लिखी गई पटकथा की विवेचना की जाए तो वेनेज़ुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े लगभग 300 अरब बैरल के तेल भंडार मौजूद हैं. मादुरो सरकार ने तेल निर्यात को चीन और रूस की ओर मोड़ दिया है, जिससे अमेरिका के हितों को सीधी चुनौती मिली. अमेरिका ने मादुरो पर नार्को-टेरोरिस्म (मादक पदार्थ आधारित आतंकवाद), चुनाव धांधली और मानवाधिकार उल्लंघन के तमाम आरोप लगाकर किए गए सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराने की कोशिश की है. ये कोशिश अतीत में निजी हितों को ध्यान में रखकर दूसरे देशों पर थोपे गए युद्ध की रणनीति की ही कट, कॉपी व पेस्ट दिखाई देती है.

पूर्व में वियतनाम युद्ध और डोमिनो थ्योरी (डोमिनो सिद्धांत)- अमेरिका ने वियतनाम में हस्तक्षेप का मुख्य कारण बताया कि अगर वियतनाम कम्युनिस्ट हो गया तो उसके पड़ोसी देश भी एक-एक कर कम्युनिज़्म की ओर झुकेंगे. इसे डोमिनो थ्योरी कहा गया. इस विचारधारा के तहत अमेरिका ने लाखों सैनिक भेजे और युद्ध को वैध ठहराया. इसके परिणाम में 58,000 अमेरिकी सैनिक मारे गए और लाखों वियतनामी नागरिकों की मौत हुई. जनता के भारी विरोध के चलते उसे अंतत: 1973 में वापसी करनी पड़ी. इराक युद्ध और डब्लूडब्लूएमडीएस- जनसंहारक हथियार) अमेरिका ने दावा किया कि इराक के पास डब्लूडब्लूएमडीएस हैं. युद्ध में लगभग 4,500 अमेरिकी सैनिक और 1 लाख से अधिक इराकी नागरिक मारे गए. इसका खर्च तत्कालीन लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर आँका गया. डब्लूडब्लूएमडीएस का कोई सबूत नहीं मिला, जिससे अमेरिका की विश्वसनीयता पर गहरा सवाल उठा. अंततः 2011 में उसे वापसी करनी पड़ी.

अफगानिस्तान युद्ध (2001-2021)- 9/11 हमलों के बाद अमेरिका ने तालिबान और अल-कायदा को खत्म करने के लिए युद्ध शुरू किया. 20 साल तक चला यह युद्ध अमेरिका का सबसे लंबा युद्ध रहा. इस युद्ध पर लगभग 2.3 ट्रिलियन डॉलर खर्च हुआ और 2021 में अमेरिका की वापसी और तालिबान की पुन: सत्ता में बहाली हुई.

लैटिन अमेरिका में हस्तक्षेप- पनामा (1989) पर नॉरिएगा को हटाने के लिए हमला ,ग्वाटेमाला (1954) में लोकतांत्रिक सरकार गिराकर अमेरिकी कंपनियों के हित सुरक्षित किए. चिली (1973) में राष्ट्रपति अयेंदे की सरकार को गिराने में अमेरिका की भूमिका रही, लेकिन इन हस्तक्षेप और हमलों से अमेरिका को सिर्फ कुछ खास फायदा नहीं हुआ . वेनेजुएला पर हमले के बाद रूस और चीन की प्रतिक्रिया दी है.

रूस ने अमेरिका की कार्रवाई को सशस्त्र आक्रमण और गैरकानूनी करार दिया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की माँग की है, लेकिन सैन्य हस्तक्षेप की संभावना बहुत कम है.

चीन में अमेरिका की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया. संयम से तनाव कम करने की अपील की है. वेनेजुएला का बड़ा व्यापारिक साझेदार होने के बावजूद चीन की प्रतिक्रिया अभी तक बयानबाज़ी और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विरोध तक सीमित है. ईरान ने इसे साम्राज्यवादी कदम कहा. संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इसे खतरनाक मिसाल करार दिया है. ट्रंप सरकार के इस फैसले पर उसे अपनों की निंदा का सामना करना पड़ रहा है कमला हैरिस ने हमले को गैरकानूनी और असावधानी पूर्ण बताया है अमेरिकी कांग्रेस के डेमोक्रेटिक सांसदों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है.

दिल्ली डायरी

असम में प्रियंका की सक्रियता से चौकन्ना हुए भाजपाई

प्रवेश कुमार मिश्र

इस वर्ष होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को जब से उम्मीदवारों के चयन करने वाली छानबीन समिति का प्रमुख बनाया गया है तब से असम के राजनीतिक माहौल में हलचल बढ़ गई है. दस वर्षों की भाजपाई सत्ता को चुनौती देने के लिए जिस तरह से कांग्रेसी रणनीतिकारों ने प्रियंका गांधी को आगे किया है उससे साफ है कि कांग्रेस पार्टी प्रियंका की आक्रामक रणनीति के सहारे सत्ता विरोधी लहर के बीच अपने लिए बेहतर भविष्य देख रही है.

संभवत: इसी वजह से दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकार अब असम की लड़ाई को आसान मानने के बजाय चुनौतिपूर्ण मानने लगे हैं. भाजपा अब पश्चिम बंगाल के साथ-साथ असम के लिए भी खास रणनीति बना रही है. पार्टी असम की लड़ाई को सिर्फ मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा के भरोसे नहीं छोड़ना चाहती है बल्कि इसके लिए संघ व संगठन के अनुभवी लोगों को तैयारी के लिए लगाने की रणनीति बनाई जा रही है.

चुनावी लड़ाई से पहले आयोग व कोर्ट में लड़ने की तैयारी में ममता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले सूबे का राजनीतिक तापमान अचानक बढ़ गया है. सत्ताधारी टीएमसी के रणनीतिकार इस समय जमीनी लड़ाई के अलावा बहुकोणीय मोर्चे पर लड़ाई लड़ रहे हैं. टीएमसी नेता पश्चिम बंगाल से लेकर दिल्ली तक मोर्चाबंदी करने में लगे हैं.पार्टी नेता जहां एक तरफ चुनाव आयोग के सामने एसआईआर से जुड़े विषयों को उठाकर उसमें मौजूद कथित कमियों को रेखांकित कर आयोग से सीधे नोंक-झोंक कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रूख करने की तैयारी में है. टीएमसी के नेता दिल्ली में लगातार डेरा जमाए हुए हैं.

इतना ही नहीं टीएमसी नेता जहां एक तरफ मीडिया के माध्यम से एसआईआर के दौरान आयोग द्वारा कथित अनियमितता को उजागर करने के प्रयास कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर कानूनी विशेषज्ञों से सलाह करके जल्द ही चुनाव आयोग के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में हैं.

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर दिल्ली में हलचल

झमकरसंक्रांति के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने जा रहे हैं. पिछले दिनों दिल्ली प्रवास के दौरान योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं के साथ औपचारिक बैठक कर भविष्य की रणनीति और राजनीति पर विस्तृत चर्चा की है. चर्चा है कि विधानसभा चुनाव के पहले होने वाले संभवत: आखिरी मंत्रिमंडल विस्तार में क्षेत्रीय समीकरणों के साथ-साथ जातीय समीकरण को भी साधने का प्रयास किया जाएगा. चर्चा है कि पार्टी के केन्द्रीय नेताओं ने हाल ही में पार्टी के अंदर ब्राह्मण विधायकों की खास बैठक के पीछे की राजनीतिक मंशा को समझने का प्रयास किया .

माना जा रहा है कि चुनाव के ठीक पहले जाति विशेष द्वारा आयोजित संभवत: पहली बैठक को पार्टी काफी गंभीरता से ले रही है. इसलिए कहा जा रहा है कि योगी मंत्रिमंडल के विस्तार में इस दबाव का असर दिखेगा.

थरूर की सफाई के मायने

पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य शशि थरूर के कथित पार्टी विरोधी रूख को लेकर जिस तरह से चर्चा होती रही है उसको लेकर थरूर ने आगे बढ़कर पार्टी लाइन से हटने के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि उन्होंने कभी भी कांग्रेस की आधिकारिक सोच के खिलाफ कोई रुख नहीं अपनाया. थरूर के बदले रूख पर वैसे तो किसी ने भी औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि थरूर ने केरल की राजनीतिक स्थिति को भांपते हुए अपने रूख में बदलाव किया है . हालांकि कुछ लोग उन्हें देर आए दुरूस्त आए की उपमा देते हुए कह रहे हैं कि थरूर के बहुआयामी व्यक्तित्व का सम्मान कांग्रेस के अलावा कहीं और नहीं हो सकता है.

अब रहना होगा ड्रैगन से सतर्क

शक्तिशाली राष्ट्रों ने तय कर लिया है कि माइट इज राइट ! वे अपनी मर्जी से जहां चाहे हमला कर जमीन हथिया सकते हैं. रूस ने जोरजबरदस्ती से यूक्रेन का डोनबास व अन्य इलाके हड़प लिए और अब भी युद्ध जारी रखे हुए है. ऐसे ही चीन भी ताइवान हड़पने और अरुणाचल पर कब्जा करने की फिराक में है जिसे वह दक्षिण तिब्बत या तवांग कहता है. उसने अरुणाचल के गांव व शहरों के नए चीनी नाम भी रख दिए हैं. वास्तव में अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर अन्य ताकतवर देशों के लिए भी रास्ता साफ कर दिया है कि अपनी मर्जी से चाहे जो करो, तुम्हें रोकने वाला कौन है? ब्रिटेन के कब्जे से 1997 में मुक्त होने के बाद हांगकांग पर चीन ने कब्जा कर लिया था. वहां अपनी मुख्य भूमि के कड़े कानून लागू किए, फिर पीली छतरी वाले प्रदर्शनकारियों पर जुल्म किया और हांगकांग को पूरी तरह निगल गया. जापान के कुछ द्वीपों पर भी चीन की नजर लगी हुई है. अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में उल्लेख है कि चीन ने इसी वर्ष ताइवान पर कब्जा करने का प्लान बना रखा है. जैसे पुतिन यूक्रेन हड़प कर ग्रेटर रूस बनाना चाहते हैं वैसे ही शी जिन पिंग ग्रेटर चाइना बनाने का लक्ष्य रखते हैं. इतने पर भी क्या अमेरिका चीन को ताइवान पर कब्जा करने देगा? 1948 से ताइवान को अमेरिका का संरक्षण मिला हुआ है. पहले उसे फारमोसा कहा जाता था. ताइवान के बाद चीन तवांग घाटी पर हमला कर सकता है. भारत को इसके लिए पूरी तैयारी रखनी होगी क्योंकि रूस की मदद का भरोसा नहीं किया जा सकता. 1962 में जब चीन ने भारत पर हमला किया था तो रूस तटस्थ था. उसने कहा था कि भारत हमारा मित्र है लेकिन चीन हमारा भाई है. चीन यदि तवांग पर हमला करेगा तो पाकिस्तान को भी उकसा देगा कि उसी वक्त पश्चिम से भी भारत के खिलाफ मोर्चा खोल दे.

जापान के कुछ द्वीपों पर भी चीन की नजर लगी हुई है. अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में उल्लेख है कि चीन ने इसी वर्ष ताइवान पर कब्जा करने का प्लान बना रखा है. जैसे पुतिन यूक्रेन हड़प कर ग्रेटर रूस बनाना चाहते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप ने दिखाया गजब का खेल हड़पेगा वेनेजुएला का तेल

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, आपको अभिनेता गोविंदा की एक फिल्म का गाना याद होगा- छूछंदर के सिर पे ना भाए चमेली, कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली ! इस समय खाड़ी देशों के शेख और सुलतानों से लेकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन तक तेल के बादशाह या तेली राजा बने हुए हैं. अमेरिका ने भी इसलिए वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया क्योंकि वहां के अपार तेल भंडार पर ट्रंप की नजर है.'

हमने कहा, 'आपको मालूम होना चाहिए कि वही लोग सामर्थ्यवान माने जाते हैं, जो रेत में से भी तेल निकाल लेते हैं. ट्रंप ने पहले ही नारा दिया था-ड्रिल बेबी ड्रिल ! अमेरिका के पावरफुल प्रेसीडेंट ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मनगढ़ंत आरोप लगाकर उन्हें पूरी तैयारी के साथ घेर कर गिरफ्तार करवाया और ब्रुकलिन जेल में कैद कर दिया, जो पृथ्वी का नर्क कहलाता है. वहां से शायद ही कोई जिंदा लौटता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, दुनिया में सबसे बड़ा तेल भंडार वेनेजुएला में है, लेकिन वह सिर्फ1 प्रतिशत ही तेल निकाल पाता है. वहां की राष्ट्रीय तेल कंपनी के पास धन व तकनीक की कमी होने से वह बहुत कम तेल निकाल पाती है. अब वहां अमेरिका कंट्रोल करेगा और भरपूर तेल निकलेगा. इसके बाद वह मूल्यवान धातुओं व रेयर अर्थ के लिए ग्रीनलैंड पर भी कब्जा करेगा. यह है ट्रंप का मेक अमेरिका ग्रेट अगेन वाला प्लान ! ब्रिक्स के देशों रूस, चीन, ब्राजील और द. अफ्रीका ने ट्रंप के इस कदम की तीखी आलोचना की है. ब्रिक्स का सदस्य होने पर भी भारत ने इस मामले में सिर्फ चिंता जताई है. चिंता जताना एक सुरक्षित कूटनीतिक तरीका है. रूस-यूक्रेन युद्ध हो तो भी हम चिंता जताकर छुट्टी पा लेते हैं. भारत की चिंता से अमेरिका या रूस किसी को फर्क नहीं पड़ता. उनकी मनमानी चलती ही रहती है.'

हमने कहा, 'कहावत है जिसकी लाठी उसकी भैंस ? अमेरिका अपनी लाठी से दुनिया को हांकता हैं और सब लोग देखते रह जाते हैं. यूएन भी अमेरिका की वित्तीय मदद से चलता है उसका मुख्यालय न्यूयॉर्क में है. यह उम्मीद बिल्कुल मत कीजिए कि यूएन वेनेजुएला के मामले में कुछ बोलेगा. क्योंकि पानी में रहकर मगर से बैर नहीं किया जा सकता.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12134

- डॉ. सागर खादीवाला

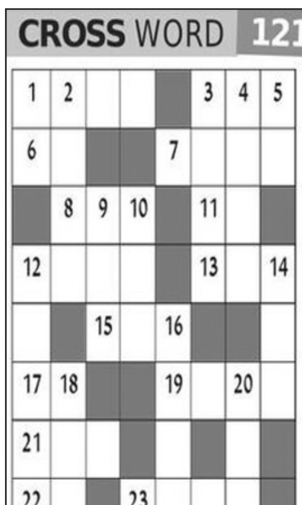

ऊपर से नीचे

1. गौरैया से मिलती जुलती एक चिड़िया जो बड़े कौशल से अपना घोंसला बनाती है 2. चादर 3. भाषांतर, तर्जुमा 4. सिपाहियों तथा पहरेदारों आदि का प्रधान (उर्दू) 5. वाहन, घोड़ा-गाड़ी आदि वाहन, विमान (सं.) 9. लौटकर अपने स्थान पर आया हुआ 10. किसी देश या स्थान के सब निवासी 12. पिशाच के समान क्रूर स्वभाव वाला मनुष्य 14. बाहर का, पराया 16. अस्वीकृत, अमान्य (उर्दू) 18. आग की आंच में अपने को गरम करना 20. दबाने अथवा बलपूर्वक शांत करने का काम

बाएं से दाएं

1. बाल्यावस्था, लड़कपन 2. दुर्गा की एक सहचरी, माया, बकरी (सं) 6. स्मृति, स्मरण करने की क्रिया 7. अंदाजा, अटकल 8. रस्म, प्रथा (उर्दू) 11. वचन, इकरार (उर्दू) 12. नवीनता 13. कबूतरों आदि के रहने के लिए काठ का खानेदार संदूक 15. तंग करना, कष्ट पहुंचाना 17. जनक, बाप 19. रावण की पत्नी का नाम 21. शाप देनाझ 22. एक अन्न, चणक 23. धातु मिट्टी आदि के वह उपकरण जिनमें खाने-पीने की वस्तु रखी रहती है, पात्र

Solution 12133

स	न	स	नी	■	ज	न	म	ना
हा	र	■	य	दि	■	■	हा	मी
यि	■	सु	त	■	अ	■	रा	■
का	ति	ल	■	वि	श्व	वि	ज	यी
■	■	ग	■	का	■	श्व	■	■
श	य	ना	गा	र	■	को	शि	श
■	ज्ञ	■	ज	■	ग	श	■	वा
आ	पा	■	■	भ	द्दा	■	आ	स
प	त्र	का	र	■	र	सा	य	न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भाईयों के सहयोग से अचल संपत्ति में वृद्धि होगी, दाम्पत्य जीवन सुखमय मधरता पूर्ण रहेगा, भाईयों का कार्यक्षेत्र में सहयोग रहेगा, वर्ष के मध्य में नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा, वर्ष के अन्त में अनिश्चय की स्थिति का सामना करना पड़ेगा, आजीविका के क्षेत्र में अचानक चिन्ता रहेगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन सुखमय मधुरतापूर्ण रहेगा, वातावरण सुखद रहेगा,कर्क राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को कर्मचारियों के सहयोग से लाभ होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को जीवन में मधुरता आयेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का आजीविका में लाभ होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष के प्रति विशेष सजगता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख, मिलनसार होगा. खेलकूद के प्रति रूचि रहेगी. बचपन में स्वास्थ्य पीड़ा होगी. बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. माता पिता का भक्त होगा. मनोवांछित सफलता मिलेगी.

मेष- उलझे मामले चतुराई से सुलझा लेंगे. जरूरतमंदों की मदद करके खुशी मिलेगी. प्रिय व्यक्ति से मानसिक पीड़ा होगी. लाभ कम व्यय की अधिकता रहेगी.

वृषभ- झूठ बोलकर अपना नुकसान कर लेंगे. मेहमानों की आवाजाही बनी रहेगी. कार्यो में व्यस्तता रहेगी. आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा.

मिथुन- आलोचना से घबराने की बजाये, डटकर मुकाबला करें. नुकसान से बच सकते हैं. मन में शांति और संतोष बना रहेगा. आय के मार्ग प्रशस्त होंगे.

कर्क- लगातार नुकसान से आत्मविश्वास कमजोर पड़ सकता है, नये संपर्को से लाभ होगा. शत्रुओं पर आपका प्रभाव रहेगा. लाभ संचित होगा. कोई बात मालुम होगी.

सिंह- सपने साकार करने के लिये मेहनत बढ़ाना आवश्यक है. विवादों से दूर रहें. मन में विशेष प्रसन्नता रहेगी. अतिथि आगमन का योग है.

कन्या- युवाओं को कैरियर की चिन्ता रहेगी. तनाव की स्थिति में फैसला लेना मुश्किल है. पराक्रम में वृद्धि होगी. नौकर चाकर एवं अधिनस्थ का सहयोग रहेगा.

तुला- जीवनसाथी के व्यवहार से खिन्नता रहेगी. मांगलिक खर्च की रूपरेखा बनेगी. मित्रों एवं कुटुम्बियों से सहयोग मिलेगा. मानसिक संतोष रहेगा.

वृश्चिक- प्रियजन से मुलाकात उपयोगी रहेगी. ले देकर काम करवाने में नुकसान होगा. भ्रमण मनोरंजन एवं आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी. प्रयत्न करने पर लाभ होगा.

धनु- प्रापर्टी को लेकर चल रहे विवाद उभर सकते है. कोई पुराना काम बनेगा. दूर दराज की यात्राओं का योग है. सफलता प्राप्त होगी. रूका धन प्राप्त हो सकता है.

मकर- अटके कार्य को समेटने में सफलता मिलेगी. कानूनी मामले सुलझेंगे. प्रयत्न करने पर लाभ होगा. निजी कार्यो की रूपरेखा तैयार होगी.

कुम्भ- अनुशासन की कमी से कार्यस्थल पर अव्यवस्था हो सकती है, लेनदेन के मामले सुलझ जायेंगे. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

मीन- दूसरों के सुझावों को दिल से स्वीकार करेंगे, लाभ की संभावना बनेगी. नौकरी एवं राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी. निकटजनों का मार्गदर्शन

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 17 संवत् 2082 माघ कृष्ण चतुर्थी बुधवासरे दिन 10/29, मघा नक्षत्रे दिन 3/43, आयुष्मान योगे रात 10/31, बालव करणे सू.उ. 6/45, सू.अ. 5/15, चन्द्रचार सिंह, शु.रा. 5, 7, 8, 11, 12, 3 अ.रा. 6, 9, 10, 1, 2, 4 शुभांक- 7, 9, 3.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण चतुर्थी को मघा नक्षत्र के प्रभाव से गेहू, जौ, चना, गुड़ खांड़, शक्कर मूँगफली तेलों में तेजी होगी. वायदा विचार आज 2 बजकर 11 मिनिट से 10 मिनिट के रूख पर व्यापार करके लाभ उठाना हितकर रहेगा. भाग्यांक 1583 है.

SUDOKU 7266

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

● प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ● पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ● पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7265

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1